फोर्टिस ने शुरू की न्यूरो नेविगेशन व इंटरवेन्शन तकनीक

अब शहर में आधुनिक तकनीक से गैर सर्जिकल इलाज

मस्तिष्क के अतिसंवेदनशील ट्यूमर्स की खोज और सर्जरी में मददगार

जयपुर (मोन्यू)। एंजियोग्राफी के लिए थ्रीडी आईवीयूएस, मिनिमल इनवेसिव यूरोलॉजी के लिए होलियम लेसर तकनीक, वेरिकॉस वेन्स के लिए रेडियो फ्रीक्वेंसी एबिलेशन तथा ज्वाइंट रिप्लेसमेंट के लिए पिनलैस नेविगेशन टेक्नोलॉजी जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के बाद अब शहर में न्यूरो इंटरवेन्शन स्ट्रोक और एन्यूरिज्म के मरीजों को आधुनिक तकनीक से गैर सर्जिकल इलाज मिल सकेगा। शहर के फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल में दो और नई तकनीक न्यूरो नेविगेशन तथा न्यूरो इंटरवेन्शन न्यूरो मरीजों की चिकित्सा के अच्छे परिणाम देने के लिए शुरू की गई है।

नई तकनीकों की जानकारी में अस्पताल के न्यूरो सर्जरी विभाग के डायरेक्टर डॉ. हेमन्त भारतीय ने कहा जैसा कि नाम से ही विदित है न्यूरो नेविगेशन न्यूरो सर्जन्स के लिए एक कम्प्यूटर गाइड है जो मस्तिष्क और मेरुदण्ड, स्पाइनल कॉर्ड में नेविगेशन के माध्यम से ट्यूमर की स्थिति को सटीक तरीके से दिखाता है।

'न्यूरो नेविगेशन विशेषकर मस्तिष्क के उन ट्यूमर्स की सर्जरी में मददगार है, जो मस्तिष्क के अतिसंवेदनशील भागों में होते हैं या मस्तिष्क के ऐसे स्थान पर होते हैं जिन्हें खोज पाना काफी कठिन होता है जैसे कि गहराई में बने ट्यूमर और खोपड़ी या ललाट पर बने ट्यूमर्स।

उन्होंने बताया कि न्यूरो सर्जन्स जो कि अब तक एमआरआई और सीटी स्कैन पर निर्भर रहा करते थे, वे अब सही वक्त पर इस विकल्प के माध्यम से सही स्थिति का पता लगा सकेंगे। ताकि उसी के अनुरूप सर्जिकल एप्रोच की बेहतर प्लानिंग की जा सके। इस इमेजिंग तकनीक से सर्जन सर्जरी के दौरान मरीज के मस्तिष्क की एनोटॉमी को देख सकते हैं और विधि पूर्वक एनोटॉमी के मुताबिक अपने सर्जिकल इंस्ट्रूमेंट का मार्ग बना सकते हैं।

कम चीरा और काइल्स आदि में उपयोगी न्यूरो इंटरवकेशन : वहीं आजकल हाइपर टेंशन और ब्लड प्रेशर के कारण होने वाली न्यूरो प्रॉबलम्स के लिए न्यूरो साइंस के क्षेत्र में न्यूरोलॉजी और न्यूरो सर्जरी के अलावा एक नए क्षेत्र न्यूरो इंटरवकेशन का विकास भी हुआ है।

इसमें कम से कम चीरा लगाकर इमेज आधारित टेक्नोलॉजी का प्रयोग किया जाता है तथा एन्यूरम्स, स्कीमिक स्टोक्स, एरिटेरियो विनस मालफॉर्मेशन (एवीएमएस) और मस्तिष्क के ऊपरी हिस्से में ट्यूमर्स का इमोबिलाइजेशन संभव हो पाता है। अस्पताल के न्यूरोसर्जरी एण्ड न्यूरो इंटरवेंशन के सीनियर कन्सलटेन्ट डॉ. विवेक वैद ने बताया कि 'न्यूरो इंटरवेन्शन में रक्त वाहिनियों में काफी महीन केथेटर एक छोटी सी निक के माध्यम से मस्तिष्क और मेरुदण्ड में प्रविष्ट कराया जाता है। इसके बाद इसमें रक्त प्रवाह के साथ एक विशेष प्रकार की इंक प्रविष्ट कराई जाती है, और उसका प्रभाव एक समय समय सीमा तक रिकॉर्ड किया जाता है।

इससे न केवल स्नायूतंत्र को प्रभावित करने वाली बीमारियों के डायग्नोसिस में मदद मिलती है बल्कि विशिष्ट 'हार्डवेयर' जैसे कि कॉइल्स, स्टेन्ट्स, बलून्स, ग्लू, ऑनेक्स और पीवीए पार्टिकल का उपयोग करते हुए इसका इलाज भी किया जाता है। दिल्ली के न्यूरो इंटरविनेशन रेडियोलॉजिस्ट डॉ.अरविन्द नन्दा और जयपुर फोर्टिस के निदेशक प्रतीम तम्बोली भी मौजूद थे।